Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

Test Booklet No.

D—3306

PAPER—III

DOGRI

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नज़्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उज़र, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिज़्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिज़्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारज़्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निज़्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संज़्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उज़र-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उज़र-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उज़र-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उज़र के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

DOGRI

डोगरी

PAPER—III

पेपर—III

NOTE: This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : एह् पेपर दो सौ (200) नज़्बरें दा ऐ ते इसदियां चार सैज़्शनां न। परीक्षार्थियें हर इक सैज़्शन च दिज़ी गेदियें हिदायतें अनुसार इ'नें सुआलें दे परते देने न।

SECTION - I

सैज़्शन—I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and carries five (5) marks.

(5x5=25)

नोट : इस सैज़्शन च हेठ दिज़े दे पैह्रे पर अधारत पञ्ज (5) सुआल न। हर सुआला दा जवाब लगभग त्रीहें (30) शज़्दें च देना ऐ। हर सुआल दे पञ्ज (5) नज़्बर न।

(5x5=25)

नाटक गी साहित्य दी इक ज़्हज़्वपूर्ण विधा मन्नेआ जन्दा ऐ । समनें भाशाएं च सफल, सार्थक ते सुन्दर नाटक थोढ़े गै लिखे गे न । डोगरी भाशा दे साहित्यक विकास दी उमर लगभग सट्ठ(60)ब'रे ऐ। दूए इस निसफ च डोगरी गी अपने विकास दियें लोड़दियें जरूरतें गी पूरा करने आस्तै बड़ा परिश्रम करना पेआ ऐ । सन् 1944 ई. च जेल्लै डोगरी संस्था दी स्थापना होई ही, उसलै असेंगी बरासती दे तौर पर छपी दियां दो–प्रै रचना गै अहीड़यां हियां । एह् गल्ल सच्च ऐ जे डोगरी भाशा दा लोक–साहित्य दा सरमाया खासा हा, पर ओह् सब जोगियें, गारंड़ियें ते दरेसें कोल मूंह्–जबानी परम्परा च गै उपलब्ध हा । उसी किट्ठा करियै छापने–छपोआने दे सिलसिलें च डोगरी दे लगन आह्ले उद्दमी साधकें खासी परिश्रमपूर्ण साधना कन्नै कम्म कीता ऐ । इस्से उद्दमै दा नतीजा ऐ जे डोगरी लोक–साहित्य दियें बक्खरी–बक्खरी विधाएं कन्नै सरबंध रक्खने आह्ले साहित्य अज्ज पुस्तकें दे रूपैच छापियै असेंगी उपलब्ध न । इस्सै परिस्थिति च साहित्य–सिर्जना दे खेतरै च लग्गे दे साधकें, नमें डोगरी साहित्य दियें नामी थें जरूरतें गी पूरा करनेआस्टै, अपनी–अपनी तौफोक दे मताबक साहित्य दियें समनें विधाएं चा जिस जिस विधा च ओह् किश योगदान देई सकदे हे। उस–उस विधा च उनै अपना योगदान दित्ता ऐ ।

1. साहित्य च नाटक दा केह् थाह्र होंदा ऐ ?

2. डोगरी संस्था दी स्थापना कदूं होई ही ?

3. 1940एं दे द्होक च डोगरी साहित्य घे स्थिति कनेही हो?

4. डोगरी साहित्य–सिरजना दे खेतरै च नमें साधके दा केह् योगदान ऐ?

5. डोगरी लोक–साहित्य कठेरने सरबंधी कम्में दी केह् स्थिति ऐ?

SECTION - II

सैज़्शन—II

Note : This section contains fifteen (15) questions each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks.

(5x15=75)

नोट : इस सैज़्शन च पंदरा (15) सुआल न। हर सुआल दा परता त्रीहें (30) शज़्दें च देना ऐ। हर सुआल दै पञ्ज (5) नज़्बर न।

(5x15=75)

6. भाशा ते बोल्ली दा अंतर स्पश्ट करो ।

7. बहुभाशी कोशविज्ञान बारै लिखो ।

8. डोगरी विशेशनें दे भेदें–उपभेदें बारै लिखो ।

9. रामनाथ शास्त्री हुंदी रचनाएं दा ज़्यौरा देओ ।

10. डोगरी दे समाज–राजनीतिवादी उपन्यासें दा ब्यौरा देओ ।

11. डोगरी कहानी–साहित्य दे शॉलीगत रूझानें बारै लिखो ।

12. 'निबंध' केह् ऐ ? इसदे भेदें बारै लिखो ।

13. नरसिंह देव जम्वाल हुण्दी नाटक कृतियें दा ब्यौरा देओ ।

14. डोगरी च अनुदित नाटक–साहित्य चा 'शकुन्तला नाटक' दा परिचे देओ ।

15. 'प्रतीकवाद' दियें विशेशताएं बारै लिखो ।

16. डोगरी लोक–कत्थें दे भेदें बारै लिखो ।

17. डुग्गर दी लोकचित्र कला बारै लिखो।

18. डोगरी च अनूदित गद्य-पोथिथें दा ज़्यौरा देओ।

19. जनसंचार दे समने शा पराने माध्यम दा परिचे देओ ।

20. जनसंचार दे प्रकाशन माध्यमें दे रूपें बारै लिखो ।

SECTION - III
सैज़्शन—III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about 200 words.

(12x5=60)

नोट : इस सैज़्शन च बाह्रें-बाह्रें (12-12) नज़्बरें दे पञ्ज (5) सुआल न। हर इक सुआला दा परता लगभग दो सौ (200) शज़्दें च देना ऐ।

(12x5=60)

21. डोगरी व्याकरण दी वचन-व्यवस्था बारै लिखो ।

22. 'जिज़ो' महाकाव्य दी विशेशताएं पर लेख लिखो ।

23. डोगरी दे रेखाचित्र-साहित्य पर संक्षेप च लिखो ।

24. साहित्य च 'औचित्य' दा ज़्हज़्व सिद्ध करो ।

25. कथा-साहित्य-अनुवाद दियें समस्याएं बारै लिखो ।

SECTION - IV

सैज़्शन—IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any of the following topics.

(40x1=40)

नोट : इस सैज़्शन च चाली (40) नज़्बरें दा इक निबन्धात्मक सुआल ऐ, जिसदा परता लगभग इक हज़ार (1000) शज़्दें च देना ऐ। हेठ दिज़े दे सुआलें चा कुसै इक सुआला दा परता देओ।

(40x1=40)

26. डोगरी दियें कु'नें त्र'ऊं व्याकरणिक कोटियें दा परिचे देओ ते उंदी रूप–रचना दे सिद्धांतें दा ज़्यौरा देओ।

जां

डोगरी भाशा दियें खंडीय ध्वनियें दा परिचे देइयै उंदा वर्गीकिररा करो ।

जां

डोगरी साहित–आलोचना दे खेतरा च महिलाएं दे योगदान बारै लेख लिखो ।

जां

डोगरी उपन्यास–रचना दे खेतरा च महिलाएं दे योगदान दी स्थिति कनेही ऐ? ते इसदे कारा केह् न?

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....